इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 121

22 नवम्बर, 2012 को उत्तर के लिए

लौह अयस्क की कमी तथा कोकिंग कोल की कीमतें

121. डा. वी. मैत्रेयन:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या लौह अयस्क की कमी तथा कोकिंग कोल की अधिक कीमतें इस्पात निर्माताओं विशेषकर छोटे निर्माताओं को ऋण पुनर्संरचित करने के लिए बाध्य कर रही हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) विनिर्माताओं एवं उपभोक्ताओं, दोनों के लाभार्थ इस स्थिति को सुगम बनाने हेतु कौन-से कदम उठाए जा रहे हैं ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क) और (ख): वर्ष 2011-12 के दौरान घरेलू लोहा और इस्पात उद्योग में लौह अयस्क की कुल लगभग 116.3 मिलियन टन की अनुमानित खपत की तुलना में देश में लौह अयस्क का कुल उत्पादन 169.66 मिलियन टन (अनंतिम) था। इसलिए भारत में लौह अयस्क का उत्पादन लोहा और इस्पात उद्योग में इसकी कुल अनुमानित घरेलू खपत से अधिक था। उपलब्ध सूचनाओं के अनुसार गत एक वर्ष के दौरान अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हार्ड कोकिंग कोल की स्पॉट कीमतों में गिरावट की प्रवृत्ति देखी गई है और यह जून, 2011 में 310 अमेरिकी डॉलर/टन के स्तर से गिर कर अक्तूबर, 2012 में 145 अमेरिकी डॉलर/टन हो गई है (पोत पर्यंत नि:शुल्क) (एफओबी) आस्ट्रेलिया; स्रोत: एसबीबी जैसा कि आर्थिक अनुसंधान यूनिट, इस्पात मंत्रालय द्वारा सूचना प्रदान की गई है।

(ग) घरेलू लोहा और इस्पात उद्योग के लिए लौह अयस्क की सस्ती कीमत पर उपलब्धता में सुधार लाने के लिए सरकार ने दिनांक 30.12.2011 से लौह अयस्क के सभी ग्रेडों (पैलेट को छोड़कर) पर निर्यात शुल्क यथामूल्य 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर दिया है। कोकिंग कोल और स्टीम कोल पर आयात शुल्क भी शून्य रखा गया है।

****